

छिंदवाड़ा भूमि

पांडुर्णा | सौसर | चौरई | बिछुआ | परासिया | जुन्नारदैव | अमरवाड़ा | हरई

खबर संक्षेप

भक्ति में सराबोर हुआ चौरई, कलश यात्रा में उमड़ा जनसैलाब



चौरई। नगर के बस स्टैंड के समीप स्थित मानस भवन में श्री राम सेवक परिचार द्वारा आयोजित श्रीराम कथा का मध्य आयोजन इस वर्ष छठवें वर्ष में प्रवेश कर गया है। 6 सितंबर से 10 सितंबर तक पांच दिवसीय श्रीराम कथा का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें सुप्रसिद्ध रामकथा वाचिका जया देवी जी (मालेगाँव) श्रद्धालुओं को भगवान श्रीराम की कथा का रसगान करा रही हैं। कथा के प्रथम दिवस धार्मिक एवं भक्तिमय वातावरण के बीच कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। सबसे पहले माता मंदिर में विधिवत आरती की गई, इसके पश्चात नगर में मध्य जिल कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। यात्रा का नगर के विभिन्न स्थानों पर पुष्पवर्षा एवं स्वागत कर श्रद्धालुओं का उत्साह बढ़ाया गया। कलश यात्रा के दौरान पूरा चौरई नगर जय श्रीराम के जयघोष और भजनों से गुंज उठा। महिलाओं ने सिर पर कलश धारण कर श्रद्धा के साथ यात्रा में सहभागिता की।

जनपद पंचायत हरई में शिविर का आयोजन आज

छिन्दवाड़ा। भारत सरकार की राष्ट्रीय वयोश्री एवं एडिप योजना के अंतर्गत जिले के पात्र युद्धजनों एवं दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण एवं कुत्रिम अंग प्रदान करने के लिए परीक्षण शिविरों का आयोजन किया जाएगा। इस संबंध में कलेक्टर श्री हरेद्र नारायण ने आयुक्त नगर पालिक निगम, सभी जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यापालन अधिकारी एवं सभी नगरपालिका/नगर परिषद के मुख्य नगरपालिका अधिकारियों के संबंधित नगरीय निकायों एवं जनपद पंचायतों में लगने वाले शिविरों में पात्र हितवाहियों की उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। जारी कार्यक्रम के अनुसार 7 सितंबर 2026 को जनपद पंचायत हरई, 8 सितंबर 2026को जनपद पंचायत अमरवाड़ा, 9 सितंबर 2026 को जनपद पंचायत चौरई, 10 सितंबर 2026 को जनपद पंचायत बिछुआ, 11 सितंबर 2026 को जनपद पंचायत जुन्नारदैव, 12 सितंबर 2026 को जनपद पंचायत परासिया, 14 सितंबर 2026 को जनपद पंचायत तामिया, 15 सितंबर 2026 को जनपद पंचायत मोहखेड़ शिविर लगेगा।

राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2026 के लिए आयोग द्वारा नियुक्त संभागीय पर्यवेक्षक द्वारा किया गया परीक्षा केंद्र का निरीक्षण

आज से 12 सितंबर तक होगी परीक्षा, पचास परीक्षार्थी होंगे सम्मिलित

हरिभूमि न्यूज ►►छिन्दवाडा

मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2026 का आयोजन 07 से 12 सितंबर 2026 तक प्रातः 10 बजे से दोपहर 1 बजे तक एक सत्र में किया जाएगा। जिला मुख्यालय स्थित परीक्षा केंद्र राजमाता सिंधिया शासकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय, छिंदवाड़ा में आयोजित होने वाली इस परीक्षा में 50 परीक्षार्थी सम्मिलित होंगे।

परीक्षा केंद्र राजमाता सिंधिया शासकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय छिंदवाड़ा का आयोग द्वारा नियुक्त संभागीय पर्यवेक्षक उच्च न्यायिक सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी श्री एन.सी. नागराज

85 वर्ष से अधिक आयु के शिक्षकों का शॉल-श्रीफल से अभिनंदन, पुराने संस्मरणों ने नम कर दीं गुरु-शिष्य की आंखें

दशकों बाद गुरु के सामने झुके शिष्य, 50 से अधिक पूर्व विद्यार्थियों ने किया गुरुजनों का सम्मान

हरिभूमि न्यूज ►►छिन्दवाडा

गुरु और शिष्य का रिश्ता केवल विद्यालय की चारदीवारी तक सीमित नहीं होता, बल्कि गुरु द्वारा दिए गए संस्कार और जीवन की सीख विद्यार्थी के साथ जीवनभर चलती है। इसी गुरु-शिष्य परंपरा की एक अनूठी और भावुक मिसाल रविवार को छिंदवाड़ा के चांद रोड स्थित यश धन होटल में देखने को मिली। यहां 1980 से 1990 के दशक के दौरान शिक्षा प्राप्त करने वाले 50 से अधिक पूर्व विद्यार्थियों ने एक मंच पर एकत्र होकर अपने गुरुजनों का सम्मान किया।यह आयोजन इसलिए भी खास रहा, क्योंकि जिन शिक्षकों ने कभी इन विद्यार्थियों को कक्षा में पढ़ाया था, उन्हीं विद्यार्थियों ने वर्षों बाद अपने गुरुजनों के चरणों में सम्मान और कृतज्ञता अर्पित की। समारोह में 85 वर्ष से अधिक आयु के वरिष्ठ शिक्षक-शिक्षिकाओं का विशेष रूप से अभिनंदन किया गया। शॉल, श्रीफल एवं सम्मान के माध्यम से गुरुजनों के प्रति विद्यार्थियों ने अपनी भावनाएं व्यक्त कीं।

तीन प्रमुख शिक्षण संस्थानों के गुरुजनों का हुआ सम्मान

समारोह में भारती विद्या मंदिर, शासकीय बहुउद्देशीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय यानी गवर्नमेंट मल्टीपर्सन स्कूल तथा नगर पालिका मथुरा प्रसाद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, छिंदवाड़ा में उस दौर में अध्यापन कराने वाले वरिष्ठ शिक्षक-शिक्षिकाओं को आमंत्रित किया गया था।कार्यक्रम में आदर्णीय सालोटकर सर, टी.एन. मिश्रा सर, घोरपड़े सर, सहरोनिया सर, श्रीमती रोडे मैडम, सुश्री गुप्ता मैडम, राणा सर, यादव सर, बरसकर सर एवं चौधरी सर सहित अनेक गुरुजनों का पूर्व विद्यार्थियों ने आत्मीय स्वागत और सम्मान किया।गुरुजनों के सामने अपने पुराने



विद्यार्थियों को वर्षों बाद एक साथ देखकर समारोह का वातावरण भावुक हो गया। कई शिक्षक अपने विद्यार्थियों को पहचानकर उनके नाम पुकारते नजर आए तो कई पूर्व विद्यार्थियों ने अपने गुरुजनों के साथ विद्यालय के दिनों की यादें साझा कीं।'गुरु का ऋण कभी चुकाया नहीं जा सकता' समारोह में वक्तवाओं ने कहा कि जीवन में व्यक्ति कितना भी बड़ा मुकाम हासिल कर ले, लेकिन उसके व्यक्तित्व और सफलता की नींव रखने वाले गुरुजनों को कभी भुलाया नहीं जा सकता। गुरु केवल विषय का ज्ञान नहीं देता, बल्कि व्यवहार्यार्थी को अनुशासन, संस्कार, व्यवहार और जीवन की कठिन परिस्थितियों से मुकाबला करने की सीख भी देता है।पूर्व विद्यार्थियों ने कहा कि आज वे समाज के अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी पहचान बना चुके हैं। किसी ने व्यापार में सफलता हासिल की, तो किसी ने सामाजिक, शैक्षणिक और अन्य क्षेत्रों में अपनी अलग पहचान बनाई है।विक्रम इन सभी ने स्वीकार किया कि उनके जीवन की सफलता में उनके गुरुजनों की शिक्षा और मार्गदर्शन की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।विद्यार्थियों का कहना था कि विद्यालय में पढ़ाई के दौरान गुरुजनों द्वारा दी गई छोटी-छोटी सीख आज भी जीवन के महत्वपूर्ण फैसलों में मार्गदर्शन करती है। समय भले ही बदल गया हो, लेकिन गुरु के प्रति सम्मान और उनके दिए संस्कार आज भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं।

गुरु का सम्मान ही संस्कार की पहचान

यह आयोजन केवल पुराने विद्यार्थियों और शिक्षकों के मिलन का अवसर नहीं रहा, बल्कि भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा की उस मजबूत भावना को सामने लेकर आया, जिसमें विद्यार्थी जीवन की ऊँचाइयों पर पहुंचने के बाद भी अपने गुरु के योगदान को नहीं भूलता।दशकों बाद गुरुजनों के सामने सम्मान के लिए खड़े हुए विद्यार्थियों ने यह साबित कर दिया कि समय और उम्र भले ही बदल जाए, लेकिन गुरु के प्रति सम्मान कभी कम नहीं होता। समारोह में उमड़ी भावनाएं यहीं संदेश दे गई कि जिस समाज में गुरु का सम्मान जीवित रहता है, वहां संस्कार और मानवीय मूल्यों की परंपरा भी जीवित रहती है।

पुरानी यादों ने बनाया माहौल भावुक

समारोह के दौरान जब गुरुजनों ने अपने पुराने विद्यार्थियों के साथ विद्यालयीन संस्मरण साझा किए तो माहौल पूरी तरह आत्मीय हो गया। किसी ने अपने शिक्षक की डांट को याद किया तो किसी ने गुरु द्वारा दी गई सीख और प्रोत्साहन के किस्से सुनाए।दशकों बाद अपने सामने बैठे विद्यार्थियों को सफल और स्थापित देखकर गुरुजन भी भावुक नजर आए। वहीं विद्यार्थियों के लिए भी यह क्षण किसी भावनात्मक यात्रा से कम नहीं था। कई मौकों पर गुरु और शिष्य दोनों की आंखें नम हो गईं।पूर्व विद्यार्थियों ने कहा कि उस दौर में संसाधन आज की तुलना में सीमित थे, लेकिन शिक्षकों का समर्पण और विद्यार्थियों के प्रति उनका लगाव बेहद मजबूत था। शिक्षक विद्यार्थियों को केवल पाठ्यक्रम तक सीमित शिक्षा नहीं देते थे, बल्कि उन्हें जीवन जीने का तरीका भी सिखाते थे।

50 से अधिक पूर्व विद्यार्थी हुए एकजुट

इस विशेष आयोजन में 50 से अधिक पूर्व विद्यार्थियों ने सहभागिता की। अलग-अलग क्षेत्रों में अपनी जिम्मेदारियां संभाल रहे इन विद्यार्थियों का एक साथ एकत्र होना भी अपने आप में विशेष रहा।।आयोजकों ने बताया कि लंबे समय बाद सभी साथियों को एक मंच पर लाने और गुरुजनों के सम्मान का विचार इसी भावना से रखा गया कि जीवन में आगे बढ़ने के बाद भी व्यक्ति को अपनी जड़ों और अपने शिक्षकों को नहीं भूलना चाहिए।कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व विद्यार्थियों ने अपने पुराने साथियों से मुलाकात की और विद्यालयीन दिनों की यादें साझा कीं। लंबे अंतराल के बाद हुई इस मुलाकात ने कार्यक्रम को केवल शिक्षक सम्मान समारोह तक सीमित नहीं रखा, बल्कि यह पुराने मित्रों के पुनर्मिलन का अवसर भी बन गया।

इनकी रही महत्वपूर्ण भूमिका

कार्यक्रम का मंच संचालन राघवेंद्र वसूने ने किया। आयोजन को सफल बनाने में बाँबी संजीव पांडे, रजनीश गोलानी, अनिल मिगलानी, प्रवीण सोनी, नवनीत व्यास, विजय सतीजा, महेश पटेल, मनीष अगवाल, राघवेंद्र वसूने, अनिल चौधरी, पुरुषोत्तम पटेल, डॉ. योगेश पाल, प्रदीप उपासे, संजय शाह, प्रमोद बाघ, मंगेश कोलवाटकर, रजनीश झुगझुगवाला, पंकज शाह, सुधन लालेवार, सुभाष सूर्यवंशी, मनीष सूर्यवंशी, श्रीकांत जाधव, सूर्यवंशी, संजय तलेजा, अनुभाष साहू, नवीन पटेल, धीरपाल रघुवंशी, मोहन साहू, जितेंद्र सिंह मीनो, मनोज शाह, नवनीत साहू, श्याम पांडे, देवीदास साहू, श्रीमती सरोज ठाकुर, श्रीमती कामिनी विश्वकर्मा, राजा मेहता, अनिल साहू, दिनेश साहू, बज्र कुमार ठाकुर, निकुंज साहू सहित अनेक पूर्व विद्यार्थियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

रविवार को भी सजा जैविक हाट

अधिकारियों एवं शहरवासियों ने की जैविक उत्पादों की खरीदारी



हरिभूमि न्यूज ►►छिन्दवाडा

शहरवासियों को ताजी, प्राकृतिक एवं जैविक कृषि उपज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रविवार को भी जैविक सब्जी हाट का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। हाट में जिले के विभिन्न क्षेत्रों से किसान अपने प्राकृतिक एवं जैविक उत्पाद विक्री के लिए लेकर पहुंचे, जिन्हें शहरवासियों ने उत्साहपूर्वक खरीदा।

जैविक हाट में कृषक श्रीमती सेवंती बर्खानिया, श्री तारण अड़क, श्री रामचरण राउत, श्री शिवचरण कुमरावाहा, श्री गुरुदयाल महारे, श्री रामसुरेश वर्मा, श्रीमती लक्ष्मी चौरै, श्री वीरन लाल यादव, श्री गोविंद उड़के, श्रीमती अनुराधा गाडरे, श्री मटरू लाल डोंगरे, श्री राहुल वसूले, श्री आसाराम घांगरे, श्री भादे, श्री भार्गव, श्री संदीप धारे, श्री राजेंद्र धारे एवं श्री विश्वकर्मा सहित अन्य किसानों ने अपने उत्पादों का विक्रय

किया। हाट में किसानों द्वारा जैविक भिंडी, लौकी, बरबटी, हरी सेमी, मिर्ची, धनिया, प्याज, लहसुन, अरकर, करेला, पालक, लाल भाजी, बेबी कॉर्न, स्वीट कॉर्न, कुंदरू, सफेद बैंगन, हरा बैंगन, पपीता सहित विभिन्न प्रकार की ताजी सब्जियां एवं फल लाए गए। इसके अलावा खाने का तेल, मिलेट्स, जैविक दाल-चावल, विभिन्न प्रकार के घी, शहद, मट्ठा सहित अन्य प्राकृतिक उत्पाद भी उपलब्ध रहे। हाट में उप संचालन कृषि श्री मॉरिस नाथ, पशुपालन विभाग के उप संचालक डॉ. एच.जी.एस. पक्षवार, परियोजना संचालक आत्मा श्री धीरज ठाकुर, अनुविभागीय अधिकारी श्री नीलकंठ पटवारी, सहायक संचालक श्री दीपक चौरसिया एवं श्री सी.एम. अवस्थी, ब्लॉक टेक्नोलॉजी मैनेजर सुश्री प्रिया काराड़े सहित अन्य कृषि कर्मचारी उपस्थित थे।

जिले में अभी तक 703.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

छिन्दवाड़ा। जिले की औसत वर्षा 1059 मि.मी. है तथा जिले में अभी तक 703.9 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई है, जबकि गत वर्ष इस अवधि तक 878.7 मि.मी.औसत वर्षा दर्ज की गई थी। जिले में 06 सितंबर 2026 को प्रातः 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान 3.2 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज की गई है।

अधीक्षक भू-अभिलेख ने बताया कि 06 सितंबर 2026 को प्रातः 8 बजे समाप्त 24 घंटों के दौरान जिले की तहसील छिंदवाड़ा में 1.2, मोहखेड़ में 1.4, तामिया में 25, अमरवाड़ा में 0.4, बिछुआ में 03, जुन्नारदेव में 03 और उमरेठ में 02 मि.मी. वर्षा दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि जिले में एक जून से अभी तक तहसील छिन्दवाड़ा में 408, मोहखेड़ में 495.2, तामिया में 987.2, अमरवाड़ा 663, चौरई में 709.6, हरई में 1015.8 वर्षा हुई।

श्रीकृष्ण जन्मोत्सव पर भक्ति और सांस्कृति से सराबोर हुआ शासकीय महाविद्यालय

बिछुआ। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार शासकीय महाविद्यालय बिछुआ में भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तत्वाधान में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव के पावन अवसर पर 4 सितंबर 2026 को विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। भगवान श्रीकृष्ण की जन्माष्टमी पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. आर. पी. यादव के मार्गदर्शन में आयोजित यह कार्यक्रम श्रद्धा, भक्ति, उत्साह एवं सांस्कृतिक चेतना से परिपूर्ण रहा। आयोजन का उद्देश्य छत्र-छात्राओं को भारतीय संस्कृति, सनातन परंपराओं एवं भगवान श्रीकृष्ण की जीवन दर्शन से परिचित कराते हुए उनके आदर्शों को जीवन में आत्मसात करने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान श्रीकृष्ण के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं माल्यार्पण के साथ किया गया। दीप प्रज्वलन के साथ ही परिसर में आध्यात्मिक एवं भक्तिमय वातावरण का निर्माण हुआ। कार्यक्रम में उपस्थित सभी प्राध्यापकों एवं छात्र छात्राओं ने भगवान श्री कृष्ण के चरणों में श्रद्धा सुमन अर्पित किये। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. आर. पी. यादव ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन व्यक्तित्व, कृतित्व एवं उनकी शिक्षाओं पर सारगर्भित उद्बोधन दिया। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन प्रसंगों का उल्लेख करते हुए कहा कि भगवान श्री कृष्ण का जीवन हमें धर्म, सत्य, प्रेम, कर्तव्य, निष्ठा, कर्म, योग, धैर्य एवं विषम परिस्थितियों में भी सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखने की प्रेरणा देता है। उन्होंने श्रीमद्भगवद्गीता के कर्मयोग के संदेश को वर्तमान जीवन में प्रासंगिक बताते हुए छात्र-छात्राओं को अपने कर्तव्यों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करने तथा भारतीय ज्ञान परंपरा के मूल्य को अपने आचरण में उतारने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम के दौरान महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा भगवान श्रीकृष्ण की लीलाओं, जीवन प्रसंगों पर आधारित भजनों एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का भावपूर्ण प्रस्तुतीकरण किया गया। छात्र-छात्राओं की प्रस्तुतियों ने पूरे वातावरण को भक्तिमय और उल्लासपूर्ण बना दिया। भजनों की मधुर स्वर-लहरियों और श्रीकृष्ण की लीलाओं के भावपूर्ण वर्णन से उपस्थित जनसमुदाय भक्ति रस में सराबोर हो गया। छात्र-छात्राओं की प्रस्तुतियों में भारतीय संस्कृति एवं परंपरा के प्रति उनकी आस्था और उत्साह स्पष्ट रूप से दिखाई दिया।

अंबाड़ा में जन्माष्टमी के अवसर पर हुआ दंगल



अंबाड़ा / परासिया :- श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर अम्बाड़ा हनुमान मंदिर पानी की टंकी के पास 05 सितम्बर दिवश शनिवार को विशाल मेले का आयोजन किया गया । जहां पर तरह - तरह के खिलौने व मिठाइयों की दुकानें सजी एवं झूलूँे लगाए गए । जिसका वागीपुत्रों ने जमकर आनंद उठाया । इस दौरान विभिन्न प्रदेश स्तरीय इनामी दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।। परासिया विधायक सोहन बाबूमीकि के मुख्य आतिथ्य में,श्रमिक नेता मारकंडे मिश्रा एवं पूर्व जनपद सदस्य अक्कर अली, के विशेष योगदान से प्रदेश स्तरीय इनामी दंगल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस आयोजित दंगल प्रतियोगिता में राष्ट्रीय पहलवानों के अलावा विभिन्न राज्यों एवं छिंदवाड़ा जिल से आने वाले पहलवानों ने कुश्ती के दौरान अपने अपने दाँव - पैंव दिखाए। इस मौके पर लगभग 45 पहलवानों की जोड़ियां के बीच कुश्ती के रोमांचक मुकाबले हुए । जिसका उपस्थित दर्शकों ने भरपूर आनंद उठाया । दंगल के दौरान तीन वर्ग में कुश्ती प्रतियोगिता आयोजित की गई । जिसमें 80 से 100 किलो वर्ग में फाइनल मुकाबले में विजेता रहे भोपाल के रेहान खान , उपविजेता रहे इंदौर के विजय भाटिया, एवं 70 से 80 किलो वर्ग में विजेता हुए खंडवा के लोकपाल वाल्मीकि , उपविजेता हुए बैलगांव के राहुल और 60 से 65 किलो वर्ग विजेता बने भारीवाड़ा के मुरारी व मोमोटीरा के निरितन उपविजेता बने । इनके अलावा विभिन्न राज्यों से आए हुए पहलवानों ने अपने- अपने दांव पैंव से दर्शकों का मन मोह लिया । प्रथम केटागिरी के विजेता को7000 एवं उपविजेता को 3000 से पुरस्कर्त किया गया, वहीं दूसरी केटागिरी के विजेता को 5000 एवं उपयोगिता को 2000 और तृतीय केटागिरी के विजेता को 3000 एवं उपविजेता को 2000 इनाम देकर पुरस्कर्त किया गया इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधायक सोहन बाबूमीकि , विशिष्ट अतिथि परासिया जनपद उपाध्यक्ष जमील खान , पैंव महाप्रबंधक विकास अगवाल, क्रेडिट सोसाइटी चंदमेटा अध्यक्ष मारकंडे सूर्यवंशी , बड़कुही नगर परिषद अध्यक्ष भरत डेहरिया , हरेल वर्मा , आदि अतिथियों के हस्ते इन पहलवानों को पारितोषिक दिया गया ।

शिक्षक समाज के निर्माता, उनका सम्मान हमारी संस्कृति की पहचान : अनुसुईया उड़के



छिंदवाड़ा/जुन्नारदेव। शिक्षक दिवस के अवसर पर स्वयं सामाजिक कल्याण एवं विकास समिति, जुन्नारदेव के तत्वावधान में मध्य एवं गरिमायय शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। संस्था अध्यक्ष श्रीमती अर्चना माहोरे डॉ मीरा पराडकर एवं आस्था लोधी के नेतृत्व में आयोजित इस समारोह में शिक्षा, संस्कार, सेवा और सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तित्वों का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि पूर्व राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उड़के, गवर्नर कॉलेज की पूर्व प्राचार्य श्रीमती कांत वर्मा, राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित एवं रोटेरियन श्री विनोद तिवारी, गुरुकुल की प्राचार्य दशना खट्टर एवं साध्वी नीलू बहन राष्ट्रपति पुरस्कार सम्मानित सुमन दीक्षित सहित अन्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। समारोह में दिव्यांग शिक्षकों, वागीणी क्षेत्रों में सेवाएं दे रहे शिक्षकों, खिलाड़ियों को मार्गदर्शन प्रदान करने वाले शिक्षकों तथा नगर निगम के कर्मचारियों का सम्मानित किया गया। संस्था द्वारा विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाले इन व्यक्तित्वों को सम्मानित कर शिक्षा, सेवा और समापण के महत्व का संदेश दिया गया। पूर्व राज्यपाल सुश्री अनुसुईया उड़के ने अपने संबोधन में कहा कि शिक्षक केवल किताबों का ज्ञान देने वाले नहीं होते, बल्कि वे विद्यार्थियों के व्यक्तित्व, संस्कार और भविष्य का निर्माण करते हैं। एक शिक्षक की सीख और मार्गदर्शन का प्रभाव विद्यार्थी के पूरे जीवन पर रहता है। उन्होंने कहा कि दिव्यांग एवं वागीणी क्षेत्रों में कठिन परिस्थितियों में अपनी सेवाएं देने वाले शिक्षकों का सम्मान उनके समर्पण को नमन करने का अवसर है। शिक्षक का सम्मान वास्तव में ज्ञान, संस्कार और राष्ट्र निर्माण की भावना का सम्मान है। उन्होंने संस्था द्वारा समाज के विभिन्न क्षेत्रों में योगदान देने वाले लोगों को सम्मानित करने की पहल को सराहना की।

सीएमसीएलडीपी कक्षाओं का हुआ शुभारंभ एवं विद्यार्थियों को किया गया किताबों का वितरण



छिन्दवाड़ा। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद विकासखंड बिछुआ के द्वारा मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम (सीएमसीएलडीपी) की कक्षाओं का आज शुभारंभ किया गया। इस अवसर पर एमएसएसडब्ल्यू एवं बीएसडब्ल्यू पाठ्यक्रम की परिव्यात्मक जानकारी देने के साथ ही छात्रों को किताबों का वितरण किया गया। साथ ही पर्यावरण शुद्धता का संदेश देने के उद्देश्य से माटी गणेश एवं सिद्ध गणेश की मूर्ति निर्माण कारशैला का आयोजन किया गया। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक अखिलेश जैन के निर्देश एवं विकासखंड बिछुआ ब्लॉक समन्वयक दीपक नौडम के मार्गदर्शन में आयोजित कार्यक्रम में समाजसेवी श्री अयोध्याप्रसाद सोनी, राजेंद्र प्रसाद यादव एवं ब्लॉक समन्वयक द्वारा छात्रों को सामुदायिक नेतृत्व क्षमता एवं सामाजिक क्षेत्र से संबंधित जानकारी दी गई। कार्यक्रम के दौरान सभी छात्रों को किताबों का वितरण भी किया गया।

एसी कमरों में बैठकर हुआ डोर-टू-डोर सर्वे, बेखबर जनप्रतिनिधि हुए नाराज चुपके-चुपके बना पांडुर्णा का मास्टर प्लान

हरिभूमि न्यूज़ ►► पांडुर्णा

मध्य प्रदेश विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (एम.पी.सी.एस.टी.) और ग्राम एवं नगर निवेश (टी.एंड.पी.सी.) विभाग छिंदवाड़ा की कार्यपाली पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। पांडुर्णा के वर्ष 2041 के मास्टर प्लान को लेकर विभाग द्वारा डोर-टू-डोर सर्वे पूरा होने का दंभ भरा जा रहा है, लेकिन जमीनी हकीकत इस दावे की ध्वजिय उड़ा रही है। जनप्रतिनिधियों और शहर के प्रबुद्ध नागरिकों की मानें तो सर्वे का यह दावा पूरी तरह से सफेद झूठ है। जनता और स्थानीय व्यवस्था को पूरी तरह अंधेरे में रखकर अधिकारियों ने बंद कमरों में बैठकर यह सर्वे निपटा दिया है।



सत्ता हो या विपक्ष, सर्वे का किसी को पता ही नहीं

पांडुर्णा के मास्टर प्लान 2041 के लिए हुए इस तथाकथित सर्वे की हकीकत यह है कि क्षेत्र के जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों तक को इसकी

भनक नहीं लगी। क्षेत्रीय विधायक निलेश उर्डे ने कड़ा विरोध जताते हुए कहा कि जिस विभाग को पांडुर्णा की भौगोलिक स्थिति और की एबीसीडी तक नहीं पता, उसने पर बैठे मनमाना सर्वे कर लिया। पांडुर्णा के साथ हो रहे इस सौतेले व्यवहार

समारोह में पहुंचे शिक्षकों पर सांसद ने की पुष्पों की वर्षा

भावी पीढ़ी को गढ़ने और राष्ट्र निर्माण में शिक्षकों की अहम भूमिका: सांसद

हरिभूमि न्यूज़ ►► छिन्दवाडा

शिक्षक हमारे जीवन में गुरु के समान होते हैं, जो हमें आगे बढ़ने का मार्ग दिखाते हैं और हमारी प्रकृति व संस्कृति से अवगत कराते हैं। वास्तव में शिक्षक भगवान का ही स्वरूप हैं, जो भावी पीढ़ी को एक शिल्पकार की भांति गढ़ते हैं। उनके शिष्य आगे चलकर राष्ट्र निर्माण और समाज उत्थान के सपनों को साकार करते हैं। उक्त आशय के उद्गार ब्रम्ह समाज कल्याण मंडल द्वारा खजरी मे स्थित श्री परसुराम मंगल भवन मे आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह के दौरान सांसद बंटी विवेक साहू ने व्यक्त किए। इस अवसर पर सांसद श्री साहू ने सर्वप्रथम शिक्षकों पर पुष्प वर्षा कर उनका सम्मान भी किया।

सांसद बंटी विवेक साहू ने कहा कि शिक्षक दिवस के पावन अवसर पर भारत के पूर्व राष्ट्रपति भारत रत्न महान शिक्षाविद डॉक्टर सर्वपल्ली राधाण्णन जी और भगवान श्री परसुराम को स्मरण करते हुए और आपकों सम्मानित करते हुए हम अपने आप को गौरवान्वित महसूस कर रहे है। उन्होंने कहा कि सनातन काल से ही भारतवर्ष शिक्षा जगत में अग्रणी रहा है। हमारे ऋषि मुनियों, आचार्यों,



कुलगुरुओं और शिक्षकों ने इस पावन धरती को अपने अथक प्रयासों से साँचा और भारत को विश्व गुरु बनाया है। शिक्षक एक शिल्पकार की भांति कार्य करते हुए भावी पीढ़ी का निर्माण करते है। सच्चे अर्थों में वे एक राष्ट्र निर्माता है। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को पूर्व मंत्री दीपक सक्सेना, भाजपा के जिला प्रभारी आदित्य बबला शुक्ला, जिला महामंत्री विजय पांडे सहित अन्य अतिथियों ने भी

संबोधित किया। कार्यक्रम के दौरान मंडल अध्यक्ष अंकुर शुक्ला, सांसद प्रतिनिधि रोहित पोफली, भाजपा के वरिष्ठ नेता राजू नरोटे, प्रमोद शर्मा, अंशुल शुक्ला, जितू पुरोहित, किशन शुक्ला, सतीश मिश्रा, कन्हैया शर्मा, देवेन्द्र दुबे, अमरिश शुक्ला, आशिफ खान बंटी, संदीप अग्निहोत्री सहित बड़ी संख्या में शिक्षकगण एवं ब्रम्ह समाज के सामाजिक बंधु उपस्थित थे।

सरस्वती शिशु मंदिर व केशव विद्यालय में शिक्षक सम्मान समारोह आयोजित



हरिभूमि न्यूज़ वारासिवनी।

सरस्वती विद्यालय परिसर में सरस्वती शिशु मंदिर हायर सेकेण्डरी विद्यालय व केशव इंग्लिश हायर सेकेण्डरी स्कूल वारासिवनी के शिक्षक-शिक्षिकाओं के सम्मान में भव्य शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में धन्नालाल मंडेले भारतीय मजदूर संघ एवं सेवानिवृत्त सीएचएमई अधिकारी के साथ पंकज सिंह, संदीप रूसिया, दिलीप रूसिया उपस्थित रहे। इस अवसर पर ज्ञान विकास

समिति के अध्यक्ष प्रदीप तिवारी, समिति के सदस्यगण शौर्य रूसिया, तिलक पारधी, श्रीमती चेतना देवरस, शिवदयाल बोपचे, राम रूसिया, अजीत जैन, मुकेश अग्रवाल, राजेश सिंघई, श्रीरंग देवरस उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं के समर्पण, परिश्रम एवं शिक्षा के क्षेत्र में उनके महत्वपूर्ण योगदान के प्रति सम्मान व्यक्त करना था। शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की गई।

मोबाइल के दौर में उकवा से निकली संस्कारों की लौ

गुरु-शिष्य परंपरा की मिसाल: जब शिष्य बने चरण सेवक, तो छलक पड़ी गुरुओ की आँखें



हरिभूमि न्यूज उकवा। जहाँ आज गुरु-शिष्य का रिश्ता प्लेट्सउपए मोबाइल या बहुत हद तक औपचारिकता के एक मैसजे तक सिमट गया है, वहीं खनिज नगरी उकवा की सर्व धर्म सेवा समिति के सदस्यों ने सच्ची गुरु सेवा या सम्मान क्या होती है, ये बतायासमिति ने मंच, माला और माइक का रास्ता छोड़कर वो रास्ता चुना जो सबसे कठिन था - गुरु के द्वार तक जाने का रास्ता।

समिति के सदस्य उन गलियों और गांवों में पहुंचे, जहां देश के भविष्य को गढ़ने वाले वयोवृद्ध गुरु अब वो स्कूल और बच्चों के शोर से दूर बीते समय की धुंधली यादों में समय व्यतीत कर रहे हैं। 85 वर्षीय एम.एस. रोकड़े, 88 वर्षीय फागूराम घुले, सी.एस. बिसेन,

कारण बिस्तर से भी नहीं उठ पाते, उनके घर पहुंचकर समिति ने जो किया उसने सबकी आँखें नम कर दीं।

लोटे में जल, थाली में कुमकुम और हाथों में आस्था लेकर युवाओं ने अपने गुरुओं के चरण पखारे, सात-श्रीफल और लेखनी भेंट की और आरती उतारकर आशीर्वाद लिया। यह दृश्य देख वहां मौजूद हर शख्स भावुक हो उठा।

इस पूरे भावुक और भव्य कार्यक्रम को और भी अविस्मरणीय बनाया उकवा के प्रसिद्ध फोटोग्राफर एवं सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर प्रतीक हरदे ने। उन्होंने अपनी कला से हर एक आंसू, हर एक मुस्कान और हर एक आशीर्वाद को अपने कैमरे में इस खूबसूरती से कैद किया कि ये पल हमेशा के लिए इतिहास बन गए।

वीरांगना रानी अवंती बाई स्कूल में मनाया जन्माष्टमी एवं शिक्षक दिवस



राधा-कृष्ण की झांकियों और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों ने मोहा मन, ‘शिक्षक के नाम एक पेड़’ लगाकर दिया पर्यावरण संरक्षण का संदेश

हरिभूमि न्यूज़ लांजी।

स्थानीय वीरांगना रानी अवंती बाई स्कूल में शनिवार, 5 सितंबर को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी एवं शिक्षक दिवस हर्षोल्लास और भक्तिमय वातावरण में मनाया गया। विद्यार्थियों ने राधा-कृष्ण, सुदामा, ग्वाल-बालर एवं गोपियों की वेशभूषा में आकर्षक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोह लिया। विद्यालय परिसर को फूलों, मटकी, बांसुरी, मोर पंख एवं झांकियों से सजाया गया, जिससे पूरा परिसर गोकुल की छटा में रंगा नजर आया।कार्यक्रम

जय कन्हैया लाल की गूंज से गूंजे मंदिर, शाम को निकलीं भव्य शोभायात्राएं

क्षेत्र में धूमधाम से मनाई गई जन्माष्टमी

हरिभूमि न्यूज कटंगी। कटंगी और तिरोड़ी तहसील क्षेत्र में हिंदू धार्मिक त्योहार श्रीकृष्ण जन्माष्टमी बड़े ही धूमधाम और हर्षोल्लास के साथ मनाई गई। शुक्रवार की शाम शुभ मुहूर्त पर धर्म प्रेमियों ने भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमाएं अपने घरों में स्थापित की और रात्रि 12 बजे भगवान का जन्मोत्सव मनाया गया।

शुक्रवार देर रात भगवान को पालने में रखकर झूला झुलाया गया और आरती की गई। इसके बाद पूरी रात भजन-कीर्तन का क्रम चलता रहा, जो शनिवार को भी दिनभर जारी रहा। घर-घर में माखन-मिश्री का भोग लगाया गया और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की गई। शहर में कटंगी विकास मंच के अध्यक्ष सुरजित सिंह ठाकुर के निवास पर आयोजित जन्माष्टमी पूरब बेहद आकर्षण का केंद्र रहा। यहां भगवान श्रीकृष्ण को बाल रूप में विराजित किया गया था। भगवान का मनमोहक श्रृंगार, फूलों से सजा पालना और लाईटिंग देखते ही बन रही थी। नगर के तमाम धर्मप्रेमियों ने यहां आयोजित धार्मिक कार्यक्रम में हिस्सा लिया और दर्शन लाभ लिया। वहीं नगर के प्राचीन बड़ा राम मंदिर में भी बेहद उत्साह और धार्मिक वातावरण के बीच जन्माष्टमी मनाई गई। मंदिर परिसर में रातभर भजन मंडलियों द्वारा कृष्ण भजनों की प्रस्तुति दी गई। इसके अलावा नगर के अन्य मंदिरों, राधा-कृष्ण मंदिर, हनुमान मंदिरों में भी जन्माष्टमी पर विशेष पूजा-अर्चना हुई। ग्रामीण अंचलों में भी घर-घर में भगवान श्रीकृष्ण की प्रतिमा स्थापित कर पूजा-अर्चना की गई।

छिंदवाड़ा, बालाघाट आसपास

हरिभूमि

6

विश्व साक्षरता दिवस पर काव्य

गोष्ठी का किया आयोजन

छिन्दवाड़ा :- विश्व साक्षरता दिवस पर कवि रामलाल सराटे की अध्यक्षता में भारत माता दिव्यांग छात्रावास नई आबादी छिंदवाड़ा में सरस काव्य गोष्ठी संपन्न हुई। कार्यक्रम का प्रारंभिक संचालन विशाल शुक्ल ने तथा काव्य गोष्ठी का संचालन ऑल राउंडर कवि रत्नाकर रतन ने किया और आभार प्रदर्शन पाठक मंच के संयोजक विशाल शुक्ल ने किया। कार्यक्रम आगाज कवयित्री सुश्री कामिनी सूर्यवंशी द्वारा प्रस्तुत मां सरस्वती की कव्चना से हुआ ‘कवि राधुन चौरिया ने अपनी रचना पढ़ी.. “ गांव में रहके लगता था शहर नहीं मिला।उड़ने के वास्ते खुला अम्बर नहीं मिला।मिल गया शहर मिली बुलंदी भी मगर।अपनों से दूर हमको कहीं घर नहीं मिला।रव्यंग के चितरे कवि शशांक दुबे ने वर्तमान परिवेश पर कलम चलाई” अंग्रेजी के सिर पर सिर्फ आंटी का ही साया था।अरुण हिन्दी, मामी-चाची मौसी और बुआओं से घिरी बेटी थीरहर।ओम माहोरे ‘अर्पण’ ने हिंदी भाषा की खूब सूरती को कहिता में पियेया निकल कर मों के मुख से एक बच्चे के कानों तक, पहुंची है निकल बहमांड से संगीत के तानों तक। हृदय स्रस्वेदनाओं से लिखित पहली रची चिट्ठी, सभी यात्रा पूरी कर आज पहुंची डाक खानों तक। पश्चिमी समरता को गोद में जा भूल न जाना, हमारी मातृ भाषा का सदा ही बोल बाला है। वज्रल में गीत में हमने कमी दोहा में दाला है, बड़ी नाजुक है ये हिंदी जिसे हमने सम्माला है।र कवि शशांक पारसे रघुपरा ने जिंदगी को शब्दों में उकेरा ‘अब मेरी जिन्दगी का क्या निजाजन पूछते हो।टूटा है जिन्दगी का साज क्या रियाज पूछते हो। कवि द्वारपाल मालवीया रमासुमर ने पढ़ा..लरजते होंठ सीने में दहकती आह में देखो।तुम्हारे बाद का मौसम सिसकता है गले मिलकर।भरी बारिश में सूखे हैं हरे उन ख्याब में देखो कवयित्री सुश्री कामिनी सूर्यवंशी ने हिंदी का महत्त्व कविता में बर्शाया..ःहिनन्दुस्तान के हिंद की पहचान है हिन्दी।संस्कृत से जन्मी संस्कृति का मान है हिन्दी।भारती के माल में शोभित ऋंगार है मारुति।के माँ-जननी के समान है हिन्दी।कवि दीपक गौर ने सैमिक के जीवन को कविता में उकेरा..में नहीं जानती क्या बलिदान क्या सेवा क्या सहादत होती है में तो बस इतना जानू लाल मेरा मेरी आँखों का मोति हैं किया लाल ने बहुत परिश्रम आया घर लौटा एक दिन और कहा है मैं रोना में चयन नहीं हुआ मेरा।कवि विशाल शुक्ल ने पढ़ा।बादलों ने पेड़ पर डेरा डाला है, आँखिर बचपन से इसे पाला है। जिस जमीन को सींच था खून से, आज उस पर संकट का जाल है।कार्यक्रम के अध्यक्ष एवं कवि रामलाल सराटे ने साक्षरता पर पढ़ा..चलो हम जला दें ये अक्षर के दीपक, कहीं जगमगा दें, ये अक्षर के दीपक। कुहासे में लिपटी हुई बेबसी को, चलो हम दिखा दें ये अक्षर के दीपक ।। कार्यक्रम के अंत में कवियत्री बनानी सिंह बरोल एवं कवि रत्नाकर रतन ने भी अपनी रचनाओं की प्रस्तुति दी।

तथागत धम्म प्रकल्प समिति की महत्वपूर्ण बैठक संपन्न,तापोभूमि में बुद्ध प्रतिमा स्थापना, नई कार्यकारिणी का गठन

सौरा। रविवार को तथागत धम्म प्रकल्प समिति की जाम्बिवाड़ा तापोभूमि में एक महत्वपूर्ण बैठक संपन्न हुई। बैठक का मुख्य उद्देश्य बुद्ध धम्म के प्रचार-प्रसार को गति देना और समाज को तथागत गौतम बुद्ध की शिक्षाओं से जोड़ना रहा। बैठक में पीपला-सौरा मार्ग पर एड. वासुदेवराव बागडे के परिजनों द्वारा दान की गई 1 एकड़ भूमि पर निर्मित तापोभूमि में तथागत भगवान गौतम बुद्ध की 15 फीट ऊंची अष्टधातु प्रतिमा की स्थापना, नई कार्यकारिणी के गठन, प्रतिमा स्थापना कार्यक्रम और संगठन से नए सदस्यों को जोड़ने के लिए गांव-गांव में प्रचार-प्रसार करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक की संबोधित करते हुए समिति अध्यक्ष सहादेवराव गोडबोले और भारतीय बौद्ध महासभा जिला अध्यक्ष डॉ. अशोक भगत ने कहा कि समिति का मुख्य उद्देश्य बुद्ध धम्म के विचारों और करुणा के संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि समिति द्वारा जल्द ही इस तापोभूमि परिसर में तथागत भगवान गौतम बुद्ध की 15 फीट अष्टधातु प्रतिमा के साथ-साथ भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर और महात्मा ज्योतिबा फुले की प्रतिमाओं की स्थापना की जाएगी, जिसका लगभग 80% कार्य पूरा हो चुका है। साथ ही, यहाँ भिक्षु निवास, संस्कार केंद्र, साधना भवन और सांस्कृतिक भवन का निर्माण कार्य भी प्रस्तावित है।इस दौरान निर्वाचन अधिकारी डॉ. नीलम कीर्ति गोंडाम को देखरेख में नई कार्यकारिणी के लिए निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न हुई, जिसमें सर्वसम्मति से अध्यक्ष सहादेवराव गोडबोले,पाण्ड्यक्षः चन्द्रमन बागडे, श्रीमती ज्योति देशमरतार, सचिव: डॉ. अशोक भगत, सहसचिव: राजेश बागडे,कोषाध्यक्षः मुकेश बागडे, इसके अतिरिक्त, प्रबंध कार्यकारिणी समिति के अन्य सदस्यों के रूप में प्रह्लाद ढोके, अरुण बागडे, एस.आर. शेडे, डॉ. वाय. एल. ठवरे, अरुण बागडे (जाम), मदन बंसोड, चन्द्रप्रकाश रंगारे और डॉ. नीलम कीर्ति गेडाम को सर्वसम्मति से निर्वाचित किया गया।बैठक में प्रमुखता से श्रीमती नंदाआई बागडे, मदन बंसोड, चन्द्रप्रकाश रंगारे, सिद्धार्थ नारनवरे, प्रल्हाद ढोके, लेखराज डोंगरे, अरुण बागडे, प्रेमराज गजमिये, मनोहर बागडे, विमल भगत और सिद्धार्थ सोमकुवर आदि उपस्थित रहे।

पुण्यतिथि पर याद किए गए पूर्व विधायक स्व. यशवंतराव खोंगल

हरिभूमि न्यूज लांजी। प्रगतिशील कुनबी समाज जिला बालाघाट के संस्थापक एवं प्रथम अध्यक्ष, लांजी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक तथा जिला पंचायत बालाघाट के पूर्व अध्यक्ष स्वर्गीय श्री यशवंतराव खोंगल जी की पुण्यतिथि 6 सितंबर के अवसर पर उन्हें श्रद्धापूर्वक याद किया गया। इस अवसर पर उनके व्यक्तित्व, कृतित्व एवं समाज तथा क्षेत्र के विकास के लिए किए गए उल्लेखनीय कार्यों को स्मरण करते हुए श्रद्धासुमन अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई।

स्वर्गीय यशवंतराव खोंगल जी का सार्वजनिक जीवन जनसेवा, समाजसेवा और जनकल्याण की भावना से ओत-प्रोत रहा। उन्होंने अपने कार्यकाल में सामाजिक एकता, शिक्षा, क्षेत्रीय विकास तथा आमजन के हितों को प्राथमिकता देते हुए अनेक महत्वपूर्ण कार्यों में योगदान दिया। उनके विचारों और कार्यशैली में समाज के प्रत्येक वर्ग के विकास तथा क्षेत्र की प्रगति की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई देती थी।

स्व. यशवंतराव खोंगल जी को प्रगतिशील कुनबी समाज को संगठित स्वरूप प्रदान करने वाले प्रमुख व्यक्तित्व के रूप में स्मरण किया जाता है। समाज के संस्थापक एवं प्रथम अध्यक्ष के रूप में उन्होंने सामाजिक एकता को मजबूत करने, शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने तथा समाज के लोगों को संगठित होकर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।उनका मानना था कि किसी भी समाज की वास्तविक प्रगति शिक्षा, एकता और



सामाजिक जागरूकता से ही संभव है। इसी सोच के साथ उन्होंने समाजहित से जुड़े विषयों को प्रमुखता से उठाया और सामाजिक उत्थान की दिशा में निरंतर प्रयास किए। उनके द्वारा स्थापित सामाजिक संगठन और सेवा की भावना आज भी समाज के लोगों के लिए प्रेरणास्रोत बनी हुई है।

लांजी विधानसभा क्षेत्र के पूर्व विधायक एवं जिला पंचायत बालाघाट के पूर्व अध्यक्ष के रूप में भी स्व. यशवंतराव खोंगल जी ने क्षेत्र के विकास और जनहित से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी। उनके सार्वजनिक जीवन में ग्रामीण क्षेत्र के विकास, शिक्षा के विस्तार, सामाजिक समरसता और आमजन की समस्याओं के निराकरण के प्रति विशेष संवेदनशीलता रही।क्षेत्रवासियों के बीच उनकी सहजता, सरल व्यवहार और लोगों से सीधे संपर्क करने की शैली को आज भी याद किया जाता है। उन्होंने राजनीति को जनसेवा का माध्यम मानते हुए समाज और क्षेत्र के व्यापक हित में कार्य करने का प्रयास किया।

बाईक व पिकअप वाहन के बीच टक्कर

घायल बाईक सवार को मेजा गया बालाघाट



हरिभूमि न्यूज वारासिवनी। वारासिवनी-कटंगी मार्ग पर स्थित ग्राम कंचनपुर के समीप शनिवार की सुबह एक सड़क हादसे में 42 वर्षीय देवेन्द्र पटेल गंभीर रूप से घायल हो गये। जिन्हें शासकीय चित्सालय वारासिवनी में प्राथमिक उपचार के बाद उचित उपचार के लिए जिला चित्सालय बालाघाट भेज दिया गया है। जानकार अनुसार देवेंद्र पटेल युद्धू रुक चांगोटोला लामता के निवासी हैं और शनैरपुर रेलवे क्रॉसिंग पर गेटकीपर के रूप में पदस्थ हैं। वर्तमान में वह वारासिवनी के वाई क्रमांक 6 में स्थित रामदेव परिसर के पास किराए के मकान में रह रहे हैं। बताया जा रहा है कि शनिवार सुबह रात्रि कालीन इट्यूटी पूरी करने के बाद देवेंद्र पटेल बाइक से वारासिवनी लौट रहे थे। इसी दौरान कंचनपुर के समीप वारासिवनी से कटंगी को आगे जा रहे एक पिकअप वाहन से उनकी बाइकी आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे के बाद पिकअप चालक वाहन लेकर फरार हो गया। वहीं स्थानीय लोगों ने तत्काल मदद करते हुए 108 एंबुलेंस की सहायता से घायल देवेंद्र पटेल को वारासिवनी शासकीय चित्सालय में लाकर भर्ती कराया। जहाँ पर चिकित्सों द्वारा उनका प्राथमिक उपचार किया गया। उसके बाद उनकी स्थिति को देखते हुए तत्काल 108 एम्बुलेंस से उन्हें जिला चित्सालय बालाघाट उचित उपचार के लिए भेज दिया गया है।



खबर संक्षेप

मीडिया संगठन के आधा सैकड़ा पत्रकारों ने राष्ट्रपति के नाम सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज सिवनी। दिल्ली पुलिस द्वारा महिला पत्रकार के साथ हुई अभद्रता, मारपीट व सांप्रदायिक भेदभाव के विरोध में प्रेस क्लब ऑफ वॉर्किंग जर्नलिस्ट आमला द्वारा महामहिम राष्ट्रपति जी भारत गणराज्य राष्ट्रपति भवन नई दिल्ली के नाम तहसीलदार आमला, थाना प्रभारी आमला, पुलिस अधीक्षक बैतूल के माध्यम से ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में बताया गया कि महिला पत्रकार नफीसा खान एवं उनके सहकर्मी शाहिद खान जब अपने पत्रकारिता धर्म का पालन करते हुए जनता से जुड़े प्रश्न पूछ रहे थे तब उनके साथ दुर्व्यवहार किया गया एवं धर्म विशेषण का होने के कारण भेदभाव किया गया। दिल्ली पुलिस के कर्मियों द्वारा महिला पत्रकार का धर्म पृष्ठकर मारपीट की गई, अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया तथा शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया।

छात्रावासों में पढ़ाई, भोजन, स्वच्छता और सुरक्षा पर रहेगी प्रभावी मॉनिटरिंग, अधिकारियों को सौंपे गए निरीक्षण दायित्व
हरिभूमि न्यूज सिवनी। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना द्वारा जिले में विभिन्न विभागों के अंतर्गत संचालित छात्रावासों की व्यवस्थाओं के निरीक्षण के लिए विभिन्न अधिकारियों को दायित्व सौंपे गए हैं। विशेष रूप से बालिका छात्रावासों के निरीक्षण के लिए महिला अधिकारियों को जिम्मेदारी दी गई है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों द्वारा छात्रावासों में भोजन, स्वच्छता, पेयजल, विद्युत, आवासीय एवं अध्ययन व्यवस्था, सुरक्षा तथा आवश्यक मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया जाएगा। साथ ही छात्र-छात्राओं से संवाद कर उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं की जानकारी ली जाएगी। बालिका छात्रावासों में छात्राओं की सुरक्षा एवं सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। निरीक्षण के दौरान सामने आने वाली कमियों के निराकरण के लिए संबंधित विभागों को आवश्यक निर्देश दिए जाएंगे।

माटी गणेश सिद्ध गणेश प्रशिक्षण संपन्न
केशव राय धनोरा-मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद धनोरा जिला सिवनी में जिला समन्वयक राजेंद्र चौधरी के मार्गदर्शन में सांतीयनी विद्यालय धनोरा विकासखंड धनोरा मुख्यालय में नर्मदा समग्र के संयुक्त अभियान के अंतर्गत माटी गणेश सिद्ध गणेश का प्रशिक्षण संपन्न हुआ जिसमें प्रशिक्षक पेंटर आशीष झारिया के द्वारा सभी उपस्थित नवांकुर संस्था,प्रस्फुटन समिति,मेंटर्स एवं मुख्यमंत्री सामुदायिक नेतृत्व क्षमता विकास पाठ्यक्रम के छात्रों की सहभागिता रही। श्याम उर्डेके विकासखंड समन्वयक द्वारा प्रशिक्षण के उद्देश्य को बताया गया मिट्टी से बने गणेश जी की मूर्ति पर्यावरण को साफ शुद्ध रख सकते हैं मिट्टी गणेश पानी में घुलनशील होता है जबकि पीओपी हमारे जल को प्रदूषित करती है इस तरह से हम मिट्टी के गणेश बनाकर विसर्जन में पर्यावरण को संरक्षित कर सकते हैं आजकल बाजारों में जो मूर्तियां बिकने आती है उनमें पॉटिंग की जाती है जिसमें केमिकल होते हैं जो पानी को दूषित करते है जो स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है ।

ज्ञानदीप से नई रोशनी-दृष्टिबाधित बच्चों की पढ़ाई को मिला तकनीक का सहारा

सिवनी में दृष्टिबाधित बच्चों की शिक्षा के क्षेत्र में एक नई शुरुआत हुई है। आशादीप विशेष विद्यालय में बेंगलुरु के प्रतिष्ठित स्टार्टअप थिंकरखेल लैब्स द्वारा विशेषज्ञ दिव्य की पहली जेफ़-लर्निंग बेल डिवाइस एनी पर आधारित अत्याधुनिक 'ज्ञानदीप स्मार्ट लैब' का शुभारंभ विधायक श्री दिनेश राय एवं कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना की उपस्थिति में हुआ। कार्यक्रम में अतिथियों ने फीता काटकर लैब का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जिला पंचायत की मुख्य कार्यापालन अधिकारी श्रीमती अंजली शाह भी उपस्थित रही। ज्ञानदीप स्मार्ट लैब की स्थापना से अब आशादीप विशेष विद्यालय के दृष्टिबाधित बच्चे पारंपरिक तरीकों के साथ आधुनिक तकनीक की मदद से बेल पढ़ना,

हरिभूमि न्यूज ►►केवलारी।

मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद, नवांकुर संस्था के संयुक्त तत्वावधान में शासकीय कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय, केवलारी में “माटी गणेश–सिद्ध गणेश” गणेश प्रतिमा निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण, माटी के गणेश निर्माण को बढ़ावा देना तथा भारतीय संस्कृति एवं परंपरा को पर्यावरण के साथ जोड़ना रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि डॉ. संजय मिश्रा (प्राध्यापक, महाविद्यालय केवलारी), प्रशिक्षक श्री मनोज ठाकुर (मूर्तिकार) तथा विशिष्ट अतिथि अशोक बंदेवार (जिला सह मीडिया प्रभारी, भाजपा) उपस्थित रहे।

माटी गणेश को लेकर अशोक बेन्दे ने दिया संदेश
विकासखंड समन्वयक श्री अशोक बेन्द्रे (मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद) ने अपने संक्षिप्त उद्बोधन में

पुलिस ने 24 घंटे में सुलझाई बड़ी लूट, 7 आरोपी गिरफ्तार

सिवनी। बंडोल थाना क्षेत्र अंतर्गत नेशनल हाईवे-44 पर सोना-चांदी व्यापारी के साथ हुई करीब 1 करोड़ 11 लाख की लूट के मामले में सिवनी पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए महज 24 घंटे के भीतर वारदात का खुलासा कर दिया।

पुलिस ने मामले में 7 आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से लूटे गए सोने-चांदी के जेवरदार, नकदों तथा वास्तव में प्रचुरता वहन व मोबाइल फोन बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार घटना 4 सितंबर 2026 की है। लखनवाड़ा थाना क्षेत्र निवासी प्रार्थी अपने घर से सोने-चांदी की झुलान का सामान लेकर निकला था। शाम करीब 6 बजे वाम मामोडिया के पास आरोपियों ने मोटरसाइकिल से उनका पीछा करते हुए रास्ते में रोक लिया और उसके साथ मारपीट कर जेवरदार से भरे बैग को लूटकर फरार हो गए। प्रार्थी को शिकायत पर बंडोल थाने में अपराध क्रमांक 350/26, धारा 309(4) बीएचएस के तहत प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक श्री कृष्ण लालवानी के मार्गदर्शन में तत्काल 10 पुलिस टीमों का गठन किया गया। टीमों ने अलग-अलग दिशाओं में रवाना

अखिल भारत वर्षीय यादव महासभा के ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त हुए महेंद्र यादव

हरिभूमि न्यूज ►►केवलारी।

अखिल भारतवर्षीय यादव महासभा जिला सिवनी द्वारा संगठन का विस्तार करते हुए केवलारी निवासी महेंद्र कुमार यादव को ब्लॉक अध्यक्ष केवलारी के पद पर नियुक्त किया गया है। उनकी नियुक्ति महासभा के वरिष्ठ पदाधिकारी की अनुशंसा एवं सहमति से जारी किया गया। अपनी नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए महेंद्र यादव द्वारा अखिल भारतीय यादव महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगदीश यादव, प्रदेश अध्यक्ष भरबीर यादव, जिला अध्यक्ष भारत यादव, एवं ग्रामीण जिला अध्यक्ष दशरथ यादव, सुभाष यादव घन्सोर सहित शीर्ष नेतृत्व का आभार जताते हुए अपने उद्बोधन में कहा वह संगठन के निर्देशों का पालन करते हुए केवलारी क्षेत्र में सामाजिक और जनकल्याण के कार्यों को प्रति प्रदान करेंगे। उन्होंने आगे कहा समाज ने आज मुझ पर विश्वास जताकर जिस योग्य समझकर एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी



कहा कि “घर-घर गणेश, हर घर गणेश विराजें माटी गणेश। माटी गणेश केवल गणेश प्रतिमा बनाने की पहल नहीं, बल्कि हमारी आस्था, संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण को एक साथ जोड़ने का संकल्प है। हम सभी अपने घरों में माटी के गणेश स्थापित करें और पर्यावरण को सुरक्षित रखने में अपनी सहभागिता निभाएं।” उन्होंने कहा कि माटी से बने गणेश विसर्जन के बाद प्रकृति में सहज रूप से समाहित हो जाते हैं, इसलिए इस पहल को जन-जन तक पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है।



गिरफ्तार आरोपी
जितेन्द्र उर्फ जीत पिता माधव बंजारा, उम्र 26 वर्ष, निवासी बंजारा मोहल्ला बंडोल। भूपेन्द्र पिता गौतम जधेला, उम्र 20 वर्ष, निवासी बड़ा थाना बंडोल। योगेश पिता राजकुमार साहू, उम्र 19 वर्ष, निवासी व्दारी, थाना लखनवाड़ा। राज उर्फ आरव पिता राज जधेला, उम्र 20 वर्ष, निवासी संजय कॉलोनी छपारा। दुर्गेश पिता धनराज नागरिया, उम्र 23 वर्ष, निवासी भैरौन थाना कोतवाली सिवनी। आकाश पिता विजय देहरिया, उम्र 19 वर्ष, निवासी संजय कॉलोनी छपारा। आदित्य उर्फ सिद्धु पिता रविन्द्र लोहारे, उम्र 24 वर्ष, निवासी भैरौग मोहल्ला थाना कोतवाली सिवनी। पुलिस के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों में कुछ के खिलाफ पूर्व में भी आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं। पुलिस अब आरोपियों से पूछताछ कर वारदात में शामिल अन्य लोगों और लूट की साजिश से जुड़े पहलुओं की जांच कर रही है। सराहनीय भूमिका: इस कार्रवाई में नगर पुलिस अधीक्षक चंचलेश मरकाम, थाना प्रभारी बंडोल प्रदीप तिवारी सहित बंडोल, कोतवाली, छपारा, लखनवाड़ा, कुरई, अरी, अजाक, कंटौल रूम एवं साइबर सेल की पुलिस टीमों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

होंकर करीब 200 स्थानों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आरोपियों तक पहुंच बनाई। पुलिस ने कार्रवाई करते हुए सात आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के कब्जे से लूटे गए 320

ग्राम सोने के आभूषण, 26 किलो चांदी के आभूषण, दो मोटरसाइकिल तथा सात मोबाइल फोन बरामद किए गए। पुलिस ने बरामद मशरूफा को कुल कीमत करीब 1 करोड़ 11 लाख बताई है।



का दायित्व सौंपा है। जो मेरे लिए केवल एक सम्मान ही नहीं बल्कि समाज के प्रति एक बड़ी जिम्मेदारी है। मैं पूर्ण निष्ठा ईमानदारी और निष्पक्षता के साथ इस दायित्व का निर्वहन करूंगा। स्थानीय जैन सल्लिब्रेशन एंड रेस्टोरेंट के हाल में हुए कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष भरत यादव, ग्रामीण जिला अध्यक्ष श्री दशरथ यादव, सुभाष यादव घंसीर,चेतन यादव, कृष्ण कुमार यादव, प्रियांशु यादव, अमित यादव, विजय यादव, राम प्रसाद यादव,

उत्सव हमारी आस्था और उत्साह का पर्व है। यदि इसी आस्था के साथ हम माटी की प्रतिमा अपनाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दें, तो यह पर्व समाज के लिए और अधिक सार्थक बन सकता है। प्रशिक्षक मनोज ठाकुर ने प्रतिभागियों को माटी से गणेश प्रतिमा निर्माण की व्यावहारिक जानकारी एवं मूर्तिकला का प्रशिक्षण दिया। BSW एवं MSW के छात्र-छात्राओं सहित उपस्थित प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक प्रशिक्षण प्राप्त किया। कार्यक्रम में राजिक मंसूरी, शनि परते, अरविन्द बिसेन, कमल साहू एवं साबरा खान सहित विभिन्न नवांकुर संस्थाओं के प्रमुख एवं पदाधिकारी, CMCLDP परामर्शदाता बालकराम डहेरिया, राधेश्याम बंदेवार, मोतीराम हरदुआ, रामकृष्ण डहेरिया एवं कलावती ठाकुर, प्रस्फुटन समिति पदाधिकारी, नवांकुर सखी, BSW एवं MSW छात्र-छात्राएं तथा CM इंटर निशा बिसेन की सहभागिता रही।

टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग को लेकर अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा ने मुख्यमंत्री को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ►►सिवनी।

अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा, मध्य प्रदेश ने प्रदेश के हजारों सेवारत शिक्षकों के हित में शिक्षक पात्रता परीक्षा टीईटी की अनिवार्यता समाप्त करने की मांग को लेकर मुख्यमंत्री को ज्ञापन सौंपा है। मोर्चा ने तमिलनाडु विधानसभा को तर्ज पर मध्य प्रदेश विधानसभा का विशेष सत्र आहूत कर सेवारत शिक्षकों के पक्ष में सर्वसम्मत संकल्प पारित करते हुए केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजने की मांग की है। मोर्चा के प्रांतीय संयोजक परमानंद डेहरिया ने ज्ञापन के माध्यम से कहा कि प्रदेश में वर्षों से पूरी निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ शिक्षण कार्य कर रहे हजारों शिक्षक वर्तमान में टीईटी की अनिवार्यता को लेकर असमंजस और मानसिक तनाव की स्थिति में हैं। इन शिक्षकों की नियुक्ति उस समय प्रचलित नियमों एवं निर्धारित शैक्षणिक योग्यताओं के आधार पर हुई थी और वे लंबे समय से सफलतापूर्वक अपनी सेवाएं दे रहे हैं। मोर्चा ने कहा कि 23 अगस्त 2010

शमीम खान पर हुए हमले की गणेशगंज ग्राम पत्रकार संघ ने की निंदा

हरिभूमि न्यूज छब्बी लाल कमलेशिया लखनादोन गणेशगंज। पत्रकार शमीम खान के साथ हुई घटना को लेकर गणेशगंज पत्रकार संघ ने कड़ी निंदा व्यक्त की है। पत्रकार संघ ने पुलिस एवं प्रशासन से मांग की है कि घटना में शामिल आरोपियों की जल्द से जल्द पहचान कर उन्हें गिरफ्तार किया जाए तथा उनके विरुद्ध सख्त से सख्त कानूनी कार्रवाई की। गणेशगंज ग्राम पत्रकार संघ ने कहा कि कि इस घटना के पीछे कौन लोग हैं के और घटना को अंजाम देने के पीछे क्या कारण है, इसकी सूक्ष्मता एवं हो निष्पक्षता से जांच की जाना के आवश्यक है। घटना से जिले के को समस्त पत्रकार जगत में आक्रोश व्याप्त है। वहीं संघ ने कहा कि का पत्रकार लोकतंत्र का महत्वपूर्ण । स्तंभ हैं। पत्रकारों को सामाजिक त सरोकार, दुर्घटना, अपराध, क जनसमस्याओं



एवं अन्य घटनाओं त की खबरों को कवरेज करने के लिए दिन-रात, धूप-गर्मी, बारिश ई और विपरीत परिस्थितियों में भी के मौके पर पहुंचना पड़ता है। ऐसे में पत्रकारों पर हमला अथवा जानलेवा हमला करने का प्रयास पत्रकार वि स्वतंत्र एवं निष्पक्ष पत्रकारिता के लिए बेहद गंभीर और चिंताजनक विषय है। गणेशगंज ग्राम पत्रकार संघ ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों के खिलाफ त्वरित और

ठोस कार्रवाई की जाए, ताकि भविष्य में किसी भी पत्रकार के साथ इस तरह की घटना को अंजाम देने का दुस्साहस न हो। पत्रकार संघ ने कहा कि पत्रकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करना पुलिस एवं प्रशासन की जिम्मेदारी है। ऐसी घटनाओं पर प्रभावी कार्रवाई होने पत्रकारों में सुरक्षा का विश्वास कायम होगा और वे निर्भीक होकर दायित्वों का निर्वहन कर सकेंगे।

कार्यवाही की मांग

गणेशगंज ग्राम पत्रकार संघ की ओर से दिव्य एक्सप्रेस से हरिशंकर यादव, दैनिक भास्कर से बृजेश तिवारी नवभाहत से श्याम सौनी हरिभूमि से छब्बीलाल कमलेशिया दैनिक दाल सागर से बालाराम यादव ने आरोपियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की मांग की है।



से पूर्व नियुक्त शिक्षकों को टीईटी की अनिवार्यता से स्थायी छूट दिलाने के लिए तमिलनाडु विधानसभा द्वारा केंद्र सरकार को भेजे गए प्रस्ताव की तर्ज पर मध्य प्रदेश सरकार को भी प्रभावी पहल करनी चाहिए। राज्य सरकार द्वारा विधानसभा में संकल्प पारित कर केंद्र सरकार से क्ऱञ्च अधिनियम, 2009 में आवश्यक संशोधन की अनुशंसा की जा सकती है।

मोर्चा की प्रमुख मांगें

1. मध्य प्रदेश विधानसभा का विशेष सत्र आहूत कर सेवारत शिक्षकों के हित में सर्वसम्मत संकल्प पारित किया जाए। 2. 23 अगस्त 2010 से

कांग्रेस ने डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णान जी का जन्म दिवस मनाया

पूर्व राष्ट्रपति, भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णान जी का जन्म दिवस जिला कांग्रेस कार्यालय इंदिरा भवन सिवनी सेवानिवृत्त गुरुजनों की उपस्थिति में मनाया गया, सर्वप्रथम डॉ. राधाकृष्णान जी के छायाचित्र के समक्ष जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेश मरावी ने दीपप्रज्ज्वलित किया एवं शिक्षक कांग्रेस के अध्यक्ष नरेन्द्र मिश्रा द्वारा माल्यार्पण किया गया।

हरिभूमि न्यूज ►►सिवनी।

तत्पश्चात सेवानिवृत्त शिक्षक रामकुमार कुल्हाडा, हिम्मतसिंह



उमरकर, आर.एस.राजपूत, शंकरलाल डहेरिया, सुनील उपाध्याय, खेमचंद सोनी, राकेश कुमार जायसवाल, यशपाल भलावी, विजय खोंकड़े का जिला कांग्रेस अध्यक्ष नरेश मरावी, प्रदेश कांग्रेस महासचिव राजा बघेल, जिला कांग्रेस संगठन महासचिव हाजी मो. हनीफ खान, जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष मो. असलम खान, मोहनसिंह चंदेल, विष्णु करोशिया, जिला कांग्रेस महासचिव शिव सोनीडिया, प्रकाश सूर्यवंशी, जिला प्रवक्ता राजिक अकील, जिला युवा कांग्रेस अध्यक्ष आदित्य मोन्टू भूरा,

श्रीमती ललिता बघेल ने उपस्थित सभी गुरुजनों का शॉल और पुष्पमालाओं से स्वागत कर सम्मान किया गया। डॉ. राधाकृष्णन जी के जीवन पर प्रकाश डालते हुए नरेश मरावी ने कहा कि गुरु ही ब्रह्ममा है, गुरु ही विष्णु है गुरु ही भगवान शिव है गुरु ही साक्षात परमेश्वर है, सभी गुरुजनों को प्रणाम, आपका सम्मान करते हुए मैं अपने आपको सौधायाशाली मानता हूँ, देश में वर्तमान हालात की दशा और दिशा शिक्षक ही बदल सकते है, शिक्षा व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि देश में इन

10 वर्षों में लगभग 94 हजार शालाएँ बंद होना दुर्भाग्यपूर्ण है शिक्षक तो विद्यार्थियों को शतप्रतिशत देते है लेकिन सरकार की उपेक्षा के कारण शालाओं का बंद होना दुर्भाग्यपूर्ण है। आप शिक्षकों का आशीर्वाद सदैव प्राप्त होता रहे ऐसी मैं अपेक्षा करता हूँ । कार्यक्रम में श्रीमती गीता सिंह ठाकुर, श्रीमती पवन रेखा रिनायत, मोहनसिंह ठाकुर, प्रकाश सूर्यवंशी, दीवान आजम अली, अशोक नरवेती, शिवदीप डहेरिया, तनवीर अहमद, सत्नेद्र सिंह बघेल उपस्थित रहे।

सिवनी में नियम-कायदों की धज्जियां: प्राथमिक शिक्षक बना 'ऑल इन वन', फर्जी दस्तखत से एमडीएम घोटाले का बड़ा खुलासा!

कैलाश लहोरी। पलारी। सिवनी जनजातीय कार्य विभाग के अंतर्गत आने वाले विकासखंड धनोरा की शासकीय माध्यमिक शाला देवरीटीका (संकुल कुराड़ी) में नियमों का मजाक उड़ाने का एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जिस प्राथमिक शिक्षक को अपने मूल स्कूल में बच्चों को पढ़ाने का दायित्व सौंपा गया था, वे महाशय सालों से नियम-कायदों को ठेंगा दिखाकर न सिर्फ माध्यमिक शाला में मजे से जमे हुए हैं, बल्कि मथ्याह्न भोजन (MDM) के पैसों पर भी अपना एकछत्र राज चला रहे हैं!

फर्जी दस्ताखत का खेल, उड़ रहे सरकारी खजाने के परखते
मामला सिर्फ नियम विरुद्ध पदस्थापना तक सीमित नहीं है, बल्कि अब इसमें वित्तीय धोखाधड़ी और जालसाजी की भी बू आने लगी है। सूत्रों और स्थानीय दावों के मुताबिक, शाला प्रबंधन समिति (SMC) के अध्यक्ष को अंधेरे में रखकर उनके फर्जी हस्ताक्षरों के जरिए चेक भुनाए जा रहे हैं। बच्चों के पोषण के लिए आने वाली सरकारी राशि को उठारने का यह खेल धड़ल्ले से जारी

है। नतीजा? थाली में न मीनू का ठिकाना है, न पोषण का! बच्चों को परोसा जा रहा है पानी जैसी दाल और अस्वास्थ्यकर खाना।

अफसरशाही की 'जादुई' रिपोर्ट: आखें बंद, कान बंद!

हैरानी की बात यह है कि जब इस घपलेबाजी की शिकायत सीएम हेल्पलाइन (181) पर दर्ज कराई गई, तो जांच के नाम पर बीआरसीसी ने ऐसा 'जादुई' प्रतिवेदन तैयार किया कि सब दंग रह गए! जमीनी सच्चाई और फर्जी दस्तखत की जांच किए बिना ही दफ्तर में बैठकर शिकायत को निराधार बताकर बंद करने की अनुशंसा कर दी गई! पुराना आदेश और 'एक शाला एक परिसर' का ढोल पीटकर असली घोटाले पर पर्दा डालने की पूरी कोशिश की गई!

कलेक्टर की चौखट तक पहुँचा मामला, सबूतों के साथ शिकायत दर्ज
बीआरसीसी की लीपापोती के बाद अब मामला सीधे कलेक्टर सिवनी की

चौखट तक पहुँच गया है। ग्रामीणों एवं आवेदकों ने पूरे फर्जीवाड़े, फर्जी हस्ताक्षरों की परत और कागजी साक्ष्यों के साथ कलेक्टर कार्यालय में लिखित शिकायत दर्ज करा दी है। शिकायत में स्पष्ट मांग की गई है कि निष्पक्ष जांच कराकर शासकीय राशि का गबन करने वालों पर सीधी कार्रवाई की जाए।

अब उठेगा पर्दा, नपोंगे फर्जीवाड़े के खिलाड़ी!

कलेक्टर के समक्ष मामला पहुँचने और फर्जी दस्तखत के उजागर होने के बाद अब यह मामला सिर्फ प्रशासनिक चिट्ठी-पत्री तक नहीं रुकने वाला बक्या बैंक से पास हुए चेकों की फॉरेंसिक/हस्ताक्षर जांच होगी? क्या फर्जी दस्तखत करने वाले शिक्षक पर दर्ज होगी FIR? क्या बच्चों के हक का निवाला छीनने वालों पर गिरेगी गाज? देखना यह होगा कि जिला प्रशासन इस फर्जीवाड़े पर क्या सख्त एक्शन लेता है!

लोकल ट्रेनों की लेटलतीपी से परेशान, एक्सप्रेस ट्रेन ठहराव की मांग

रेल सुविधाओं से वंचित क्षेत्रवासियों ने किया चक्काजाम

आक्रोशित क्षेत्रवासियों ने कहा सरकार में बैठे जनप्रतिनिधि, जनता की आवाज बनना चाहिए था किन्तु गुंगे बहरे बनकर देख रहे तमाशा

हरिभूमि न्यूज बालाघाट।

बालाघाट में लामता क्षेत्र के लोगों ने रेल सुविधाओं की मांग को लेकर रविवार, 6 सितंबर को बस स्टैंड पर चक्काजाम कर दिया। इससे बालाघाट से नैनपुर मार्ग पर आवाजाही पर अस्पर पड़ा। करीब 20 दिन पहले क्षेत्रीय व्यापारियों और पंचायत प्रतिनिधियों ने तहसीलदार मयंक मिश्रा और स्टेशन प्रबंधक को ज्ञापन सौंपा था। इसमें एक्सप्रेस ट्रेनों के स्टॉपेज और लोकल ट्रेनों की समय पर चलाने की मांग की गई थी।

प्रदर्शनकारियों ने बताया कि चक्काजाम और रेल रोको आंदोलन के ऐलान के बाद भी उनकी मांगों पर कोई ध्यान नहीं दिया गया। शिक्षा, काम और व्यवसाय से जुड़े लोगों



को आ रही दिक्कतों के कारण उन्हें वह आंदोलन मजबूरी में करना पड़ा।

उन्होंने यह भी बताया कि चक्काजाम आंदोलन के बाद अब रेल रोको आंदोलन भी किया जाएगा। प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस ने मौके पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं।

इस आंदोलन में स्कूली छात्र-छात्राओं के साथ-साथ ग्रामीण महिलाएं, पुरुष और व्यापारी वर्ग भी शामिल हैं। इन सभी की सिर्फ रेल सुविधाओं की मांग है।

असल में, पिछले साल 30 जुलाई को भी इन्हीं मांगों को लेकर लामता बंद आंदोलन किया गया था।

एक साल बीत जाने के बाद भी अब तक मांगें पूरी नहीं हो सकी हैं, जिससे क्षेत्र के ग्रामीणों को बहुत दिक्कतें हो रही हैं।

सरपंच हुलासमल कोचर ने बताया कि क्षेत्रीय जनता और व्यापारियों ने प्रशासन व स्टेशन प्रबंधक को ज्ञापन सौंपा था। इसमें कहा गया था कि 6 सितंबर तक मांगों पर विचार नहीं होने पर लामता बंद, चक्काजाम और रेल रोको आंदोलन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज तक उनकी मांगें पूरी नहीं हुई हैं, इसलिए यह आंदोलन मजबूरी में करना पड़ रहा है। एक साल पहले भी आंदोलन हुआ था, लेकिन उस पर कोई ध्यान नहीं दिया

गया, जिससे जनता परेशान है।

व्यापारी प्रदीप जैन ने बताया कि ऐसी कमरों में बैठे जनप्रतिनिधि क्षेत्रीय जनता की रेल सुविधाओं के लिए 'गुंगे' बनकर बैठे हैं। इसी वजह से क्षेत्र की जनता नाराज है। दरअसल, बैहर, मलाजखंड से लेकर इस क्षेत्र के पूरे लोगों के साथ ही क्षेत्रीय व्यापारी के लिए लामता महत्वपूर्ण स्टेशन है, लामता से ही लोग रेलयात्रा करते हैं, ट्रेनों को स्टॉपेज नहीं होने और समय पर पैसंजर ट्रेन नहीं चलने के कारण, लोगों को बसों से आवागमन कर आर्थिक भार उठाना पड़ रहा है। क्षेत्रीय जनता की डिमांड है कि ट्रेन की टायमिंग सही की जाए और एक्सप्रेस ट्रेनों का स्टॉपेज लामता में किया जाए, ताकि लामता और इसके आसपास के दर्जनों थाना क्षेत्र के लोगों के आवागमन का सस्ता और सुलभ साधन मिल सके। चूंकि यहां से गुजरने वाली एक्सप्रेस ट्रेनों का स्टॉपेज नहीं होने और पैसंजर ट्रेनों का समय बे-समय चलने के कारण, क्षेत्र के लोगों को रेलसुविधाओं का वह लाभ नहीं मिल पा रहा है, जो, उन्हें मिलना चाहिए।

कार को बचाने के चक्कर में डीजे वाहन पलटा, 13 घायल गांगुलपारा के पास हुआ हादसा, सभी का उपचार जारी

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। बालाघाट के गांगुलपारा में रविवार दोपहर करीब 11 से 12 बजे के बीच एक डीजे वाहन बेकाबू होकर पलट गया। इस हादसे में वाहन में सवार 13 युवक घायल हो गए। सभी घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज चल रहा है।

जानकारी के अनुसार, डीजे वाहन छत्तीसगढ़ के मुंगेली से तिरोड़ी जा रहा था। बताया जा रहा है कि बालाघाट से बैहर की ओर जा रही एक स्विफ्ट डिजायर कार को बचाने के प्रयास में डीजे वाहन अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया।

हादसे में घायल हुए युवकों में छत्तीसगढ़ के मुंगेली जिले के अमर रात्रे (23), अजय पटेल (32), संजू खांडे (28), नितेश खांडे (22), संजू पटेल (28), जीतू (38), मंजीत (32), कमलेश साहू, हरीश पटेल, खेमसन पुर्ण, जीतू क्षत्रिय और चालक सिककू साहू (38) शामिल हैं। सभी को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायल अमर रात्रे ने बताया कि वे जन्माष्टमी



कार्यक्रम के विसर्जन के लिए डीजे लेकर मुंगेली से बैहर होते हुए तिरोड़ी जा रहे थे। वाहन में डीजे का पूरा सामान भी लोड था। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत घायलों को वाहन से बाहर निकाला और एंबुलेंस से अस्पताल पहुंचाया। बालाघाट से बैहर की ओर जा रहे एंबुलेंस पायलट रितेश नेवारे और ईएमटी सीमा बागड़े ने भी घायलों को समय पर अस्पताल पहुंचाने में मदद की। दुर्घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस हादसे के कारणों और परिस्थितियों की जांच कर रही है।

बीते 24 घंटे में जिले में 08 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड बालाघाट। चालू वर्षा सत्र में बालाघाट जिले में 01 जून से 06 सितंबर 2026 तक कुल 1014 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की गई है। जबकि गत वर्ष 2025 में इसी अवधि में 1116 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की गई थी। जिले की औसत सामान्य वर्षा 1447 मिलीमीटर है और इसमें से 1267 मिलीमीटर वर्षा 01 जून से 06 सितंबर 2026 की अवधि में हो जाना चाहिए।

जहां से शुरू की पढ़ाई, वहीं लौटकर बच्चों को दिखाई मंजिल की राह

शिक्षक दिवस पर बिरसा के सुदूर गांवों में पहुंचे केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अध्ययनरत पूर्व विद्यार्थी, बच्चों को बांटी पॉकेट डायरी और दिया सफलता का मंत्र

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। शिक्षक दिवस का अवसर बिरसा विकासखंड के सुदूर अंचल के बच्चों के लिए इस बार कुछ खास रहा। जिन गांवों की कठिन परिस्थितियों के बीच पढ़कर दो विद्यार्थी आज केंद्रीय विश्वविद्यालयों में अध्ययन कर रहे हैं, वे शिक्षक दिवस पर अपने ही क्षेत्र के बच्चों के बीच पहुंचे और उन्हें पढ़ाई, स्वच्छता, अनुशासन और जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। शासकीय मॉडल स्कूल बिरसा के प्राचार्य श्री सौरभ शर्मा के नेतृत्व में पूर्व विद्यार्थी विनोद धुवें, निवासी अडोरी, जो वर्तमान में अमरकंटक स्थित जनजातीय केंद्रीय विश्वविद्यालय में अध्ययनरत हैं, तथा छात्रा सीमा परते, जो वर्तमान में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में अध्ययन कर रही हैं, बीमारी से प्रभावित सुदूर क्षेत्रों के बच्चों के बीच पहुंचे। अडोरी, घुमपुर, कुंडेकसा सहित अन्य ग्रामों के प्राथमिक एवं माध्यमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों से मुलाकात कर इन पूर्व विद्यार्थियों ने उनके साथ संवाद किया। उन्होंने बच्चों को बताया



कि सीमित संसाधन मंजिल की राह में बाधा नहीं बनते, अपने ही गांव और क्षेत्र से निकलकर केंद्रीय विश्वविद्यालय तक पहुंचे इन युवाओं की कहानी बच्चों के लिए किसी प्रेरणादायक पाठ से कम नहीं थी।

पॉकेट डायरी बनी बच्चों के लिए ज्ञान की नई साथी: इस अवसर पर बच्चों को पॉकेट डायरी भी वितरित की गई। लेखक करणपाल आर्य द्वारा तैयार इस डायरी में आठ अलग-अलग प्रकार की गतिविधियों के माध्यम से बच्चों के लिए खेल-खेल में सीखने, मनोरंजन और स्वच्छता संबंधी जानकारी दी गई है। जब बच्चों को ये पॉकेट डायरी मिली तो उनके चेहरों पर खुशी की चमक साफ दिखाई दी।

पूर्व विद्यार्थियों ने लिया संकल्प- अब

जबलपुर जिला चिकित्सालय में शिशु रोग विशेषज्ञ के पद पर थे पदस्थ डॉ. शत्रुघ्न सिंह दाहिया बने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी बालाघाट

हरिभूमि न्यूज बालाघाट। लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा जिला चिकित्सालय जबलपुर में पदस्थ शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. शत्रुघ्न सिंह दाहिया को मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, बालाघाट के पद पर पदस्थ किया गया है।

डॉ. दाहिया जिला चिकित्सालय जबलपुर में शिशु रोग विशेषज्ञ के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे। शासन द्वारा जारी आदेश के तहत उन्हें अब बालाघाट जिले में स्वास्थ्य विभाग की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के रूप में डॉ. दाहिया जिले में स्वास्थ्य सेवाओं के संचालन, चिकित्सा संस्थानों की निगरानी, राष्ट्रीय स्वास्थ्य

कार्यक्रमों के क्रियान्वयन तथा आमजन को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य करेंगे। उनकी पदस्थापना से जिले की स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक प्रभावी बनाने तथा ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों तक चिकित्सा सुविधाओं की पहुंच सुनिश्चित करने की उम्मीद जताई जा रही है।

दूसरों की राह करेंगे आसान : इस आयोजन की सबसे खास बात यह रही कि विनोद धुवें और सीमा परते स्वयं इन्हीं क्षेत्रों के निवासी हैं और आज उच्च शिक्षा के प्रतिष्ठित संस्थानों में अध्ययन कर रहे हैं। उन्होंने अपने अनुभव बच्चों के साथ साझा किए और उन्हें शिक्षा को जीवन में आगे बढ़ने का सबसे महत्वपूर्ण माध्यम बताया।

कार्यक्रम के अवसर पर दोनों पूर्व विद्यार्थियों ने संकल्प लिया कि वे भविष्य में अपने आसपास के बच्चों को भी शिक्षा, करियर और आगे बढ़ने के लिए मार्गदर्शन प्रदान करेंगे। इस दौरान शासकीय मॉडल स्कूल बिरसा के प्राचार्य श्री सौरभ शर्मा एवं बीआरसी श्री नंद कुमार टेकाम सहित शिक्षकगण उपस्थित रहे।

बिरसा के सुदूर गांवों में शिक्षक दिवस पर हुआ यह आयोजन केवल डायरी वितरण तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यह नई पीढ़ी और आगे बढ़ चुके विद्यार्थियों के बीच प्रेरणा का सेतु बन गया। गांव के बच्चों ने अपने ही बीच से निकले युवाओं को ऊंचाइयों पर पहुंचते देखा तो उनके मन में भी बड़े सपने देखने और उन्हें पूरा करने का विश्वास मजबूत हुआ।

बैहर तहसीलदार अनुराग मेरावी के संरक्षण मे शासकीय जमीन की धड़ल्ले से हो रही खरीद फरोख्त!

हरिभूमि न्यूज बैहर। बालाघाट जिले की बैहर तहसील में इन दिनों राजस्व अधिकारी और पटवारी अपनी कार्यप्रणाली को लेकर खूब सुखिया बटोर रहे हैं। जिसको लेकर अब आम नागरिक भी यह बोलते नहीं चुक रहे हैं, की जब से बैहर में तहसीलदार पद का ओहदा अनुराग मेरावी ने संभाला है तब से कहीं आदिवासी की भूमि गैर आदिवासी के नाम करना तो कहीं सेवा भूमि को भूमि स्वामी बनाकर, दलालों के साथ सक्रियता दिखाते हुवे विक्रय करना जैसे फर्जी काम हो रहे हैं, इस तरह भू माफियाजो से सांठगांठ बिठाकर लाखों के वारे न्यारे किया जाना आम बात हो गई है।

क्या है पूरा मामला : जिला बालाघाट के बैहर मे स्थित शासकीय पट्टे की भूमि जिसका मौजा बैहर प. ह. न. 17/1 बैहर माल खसरा 325/2 ख ग घ की भूमि स्थित है, उक्त भूमि को भूमि के रूप मे अनुसूचित जाती को प्रदान की गई थी, जिसको नियमानुसार बेचा नहीं जा सकता था, जानकारी अनुसार बताया जाता है, की बैहर मे पदस्थ पटवारी निलय झारिया आर्थिक लाभ के अने एवज मे उक्त शासकीय पट्टे कि भूमि को अपने प्रतिवेदन मे पुर्ण रूप से भूमि



पुराना रिकार्ड क्या कहता है: जब नये रिकार्ड को पुराने रिकार्ड से मेच कर खंगाला गया तो पता चला की वर्ष 1980 के पूर्व प. ह. न. 17/1 मौजा बैहर माल खसरा 325/2 ख ग घ का सम्पूर्ण रकबा शासकीय भूमि प्रदर्शित है, उक्त खसरा को सम्बंधित अधिकारी कर्मचारियों के द्वारा छेड़छाड़ कर भूमि स्वामी मद बनाकर बेचा गया है। जानकारी अनुसार बता दे की किसी भी भूमि को क्रय विक्रय करने के लिए अधिकार अभिलेख की आवश्यकता होती है, लेकिन यहाँ सम्बंधित तहसीलदार और पटवारी को तो आर्थिक लाभ उठाना था, जिसके चलते उक्त भूमि के आगे देखा ना पिछे, दानादन रजिस्ट्री के लिए मोहर लगाते रहे, और बकाया नामांतरण भी

स्वामी बताकर चिटठा बनाने से लेकर विक्रय करने तक का, तहसीलदार अनुराग मेरावी मे भरपूर सहयोग प्रदान कर शासकीय सेवा भूमि को बेचने मे अहम भूमिका निभाई है।

बताकर चिटठा बनाने से लेकर विक्रय करने तक का, तहसीलदार अनुराग मेरावी मे भरपूर सहयोग प्रदान कर शासकीय सेवा भूमि को बेचने मे अहम भूमिका निभाई है।

आसानी से करते चले गए।

एसडीएम बैहर ने दिया कार्यवाही का आश्वासन: बैहर मे तहसीलदार अनुराग मेरावी के संरक्षण मे सेवा भूमि को भूमि स्वामी बनाकर जिस तरह से विक्रय करने मे दिलचस्पी दिखा रहे है, उसी तरह एक के बाद एक मामले अखबारों की सुखिया बनते जा रही रही! एक और जहाँ शासकीय भूमि को धड़ल्ले से बेचने मे कोई नियम कानून नहीं देखा जा रहा है वही दूसरी ओर सादे कार डिसमिल के रकबे मे रजिस्ट्री होने के बाद दर्जनों नियम कानून बताकर नामांतरण रोकना समझ से परे है! इस तहसीलदार की लापरवाही कहे या योग्यता का अभाव, इसे सरकार के मुँह पर तमाचा कहे या आर्थिक लाभ एक माने की जड़ोजबद, खैर कारण जो भी हो, लेकिन बैहर के प्रतिष्ठित नागरिक ने अनुविभागीय अधिकारी को लिखित पत्र देकर दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही की मांग करते हुवे शासन की भूमि शासन मे समाहित किये जान की बात कही है, जिसको लेकर श्री अनिकेत शांडिल्य अनुविभागीय अधिकारी राजस्व बैहर ने शिकायतकर्ता को उक्त मामले मे कार्यवाही का आश्वासन दिया है, अब देखना यह है की, तहसीलदार, पटवारी और सम्बंधित दलालो पर किस तरह की कार्यवाही की जायेगी!

थाने में हुई शिकायत पुलिस ने वन रक्षक को किया तलब

वन रक्षक पर साजिश रचकर झूठा वन अपराध दर्ज कराने और अवैध वसूली का आरोप

हरिभूमि न्यूज कंटगी।

दक्षिण सामान्य वन मंडल बालाघाट के वन परिक्षेत्र कंटगी के सीतापठोर वृत के कोयलारी बीट के वन रक्षक पर कथित तौर पर साजिश के तहत ग्रामीणों से जंगल में लकड़ी कटवाकर फिर उन्हीं पर वन अपराध दर्ज करने और बाद में झूठे केस में फंसाने की धमकी देकर 45 हजार रुपये की मांग करने का गंभीर आरोप लगा है। पीड़ितों की शिकायत पर तिरोड़ी पुलिस ने वन रक्षक हरि प्रसाद टेकाम, चौकीदार नंदलाल ठाकरे, मारोती गंगारे सहित अन्य स्टाफ के लोग मौके पर



पहुंच गया और पेड़ काट रहे मजदूरों को रंगे हाथों पकड़ने का नाटक किया। मौके से दो मजदूर काशीराम मड़ावी और चुन्नी लाल ठाकरे, दोनों निवासी दुल्हापुर को पकड़ लिया गया और कहा गया कि तुम अवैध रूप से जंगल से लकड़ी काट रहे हो। उन पर तत्काल वन अपराध का मामला दर्ज कर दिया गया। 29 अक्टूबर को आरोपी कांशीराम मड़ावी को महसूल की 25 हजार से अधिक की राशि जमा करने का नोटिस भी थमा दिया। कांशीराम ने यह राशि नहीं दी तो एक माह बाद फिर से दूसरा नोटिस जारी किया और इस बार 44 हजार से अधिक की राशि का नोटिस थमाया गया जबकि मामला एक ही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार देवी प्रसाद कारसपें और श्रीचंद उडके दोनों ग्राम दुल्हापुर के निवासी है जिन्होंने तिरोड़ी थाने में दिए आवेदन में बताया कि अक्टूबर 2025 में वन रक्षक हरि प्रसाद टेकाम ने देवी प्रसाद के मोबाइल पर फोन कर जंगल से लकड़ी काटने का काम बताया था। देवी प्रसाद के अनुसार उन्होंने वन रक्षक से मिले काम को वन विभाग का शासकीय कार्य समझकर

कोयलारी और दुल्हापुर के बीच जंगल में खैर प्रजाति के करीब 7 पेड़ काटे थे। शिकायतकर्ताओं के अनुसार, पेड़ कटाई का काम चल ही रहा था कि अचानक वन रक्षक हरि प्रसाद टेकाम, चौकीदार नंदलाल ठाकरे, मारोती गंगारे सहित अन्य स्टाफ के लोग मौके पर पहुंच गया और पेड़ काट रहे मजदूरों को रंगे हाथों पकड़ने का नाटक किया। मौके से दो मजदूर काशीराम मड़ावी और चुन्नी लाल ठाकरे, दोनों निवासी दुल्हापुर को पकड़ लिया गया और कहा गया कि तुम अवैध रूप से जंगल से लकड़ी काट रहे हो। उन पर तत्काल वन अपराध का मामला दर्ज कर दिया गया। 29 अक्टूबर को आरोपी कांशीराम मड़ावी को महसूल की 25 हजार से अधिक की राशि जमा करने का नोटिस भी थमा दिया। कांशीराम ने यह राशि नहीं दी तो एक माह बाद फिर से दूसरा नोटिस जारी किया और इस बार 44 हजार से अधिक की राशि का नोटिस थमाया गया जबकि मामला एक ही है।

दौरान वन रक्षक ने मजदूर चुन्नी लाल ठाकरे से 5 हजार रुपये नकद भी वसूल लिए और इन मजदूरों से अन्य मजदूरों के नाम भी पूछे गए तब जाकर देवी प्रसाद कारसपें को समझ आया कि वन रक्षक ने जानबूझकर झूठा प्रकरण बनाने के

लिए ही उनसे लकड़ी कटवाई। देवीप्रसाद के अनुसार वह और उनके मजदूर इस साजिश से पूरी तरह अनभिज्ञ थे। आवेदकों ने बताया कि इस पूरी घटना के बाद मामला शांत हो गया था किंतु अभी करीब 3 माह पहले से वन रक्षक हरि प्रसाद टेकाम लगातार उन्हें झूठे प्रकरण में फंसाने की धमकी देकर 45 हजार रुपये की मांग कर रहा है। 3 सितंबर को वन रक्षक ने देवी प्रसाद को फोन कर पैसों की मांग की और पैसा नहीं देने पर आधार कार्ड भेजने को कहा, ताकि उनके नाम से और वन अपराध दर्ज किया जा सके। लगातार धमकियाँ से परेशान होकर दोनों ग्रामीणों ने थाना तिरोड़ी में लिखित शिकायत दर्ज कराई। वन रक्षक पर लगने वाले इन आरोपों पर हमने वन परिक्षेत्र अधिकारी बाबूलाल चढ़ार से दूरभाष पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों के खिलाफ अपराध दर्ज होने के डर से वह इस तरह के आरोप लगा रहे है। एक ही प्रकरण में दो अलग-अलग राशि के नोटिस जारी होने की बात पर उन्होंने कहा कि दो पार्ट में राशि का नोटिस दिया जा सकता है।

इनका कहना है-

वन रक्षक पर ग्रामीणों के द्वारा जो आरोप लगाए जा रहे है वह गलत है। दो पार्ट में राशि का नोटिस दिया जा सकता है।

बाबूलाल चढ़ार वन परिक्षेत्र अधिकारी कंटगी

मुरम की जगह मिट्टी और खदान का मलबा डालने का आरोप ग्रेवल सड़क का दलदल ग्रामीणों के लिए बना मुसीबत



हरिभूमि न्यूज कंटगी।

जनपद पंचायत कंटगी की ग्राम पंचायत सेलवा में जिला पंचायत सदस्य की निधि से करीब 12 से 15 लाख रुपये की लागत से निर्मित ग्रेवल सड़क अब चलने लायक नहीं बची है। निर्माण के कुछ महीनों के भीतर ही सड़क की ऐसी दुर्दशा हो गई है कि ग्रामीणों का पैदल चलना भी दुश्पर हो गया है। ग्रामीणों ने निर्माण कार्य में भारी भ्रष्टाचार और लापरवाही का आरोप लगाया है। यह ग्रेवल सड़क सेलवा के हनुमान मंदिर से शुरू होकर खजरी-भालवा नाले के पास पहुंचकर कंटगी-बोनकट्टा मुख्य सड़क मार्ग को जोड़ती है। यह सड़क सेलवा के कई किसानों के लिए लाइफ लाइन मानी जाती थी, लेकिन अब यही सड़क ग्रामीणों के लिए मुसीबत बन गई है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य के दौरान भारी लापरवाही बरती गई। ग्रामीणों के अनुसार ठेकेदार द्वारा रात्रि के वक़्त निर्माण कार्य किया गया, ताकि कोई देख न सके। ग्रेवल सड़क में मुरम की जगह मिट्टी डाल दी गई और ऊपर से खदान का मलबा बिछा दिया गया। नियमानुसार मुरम बिछाने के बाद रोलर चलाकर सड़क को मजबूत किया जाना था, लेकिन ग्रामीणों के अनुसार रोलर भी नहीं चलाया गया। जिसके चलते पहली बारिश में ही सड़क बह गई और जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे और कीचड़ में तब्दील हो गईं।

ग्रामीणों ने सुनाई आपबीती: सेलवा निवासी टिनेश्वरी राहंगडाले ने बताया कि सड़क की बदहाली की वजह से उनके परिवार को काफी दिक्कत होती है। उनके

छोटे-छोटे बच्चे बारिश के मौसम में कीचड़ से होकर स्कूल आना-जाना करते हैं। कई बार बच्चे कीचड़ में गिरकर चोटिल हो जाते हैं और स्कूल की ड्रेस खराब हो जाती है। वहीं किसान संतोष राहंगडाले ने बताया कि सड़क की हालत खराब होने से किसान अपने खेतों तक ट्रैक्टर-ट्राली तो दूर, पैदल भी नहीं जा पा रहे हैं। उन्होंने बताया कि ग्रेवल सड़क में मुरम की जगह मिट्टी और खदान का मलबा डाल दिया गया है। दूध व्यवसायी भोजराज पारधी ने बताया कि सड़क की बदहाली का सीधा असर उनके दैनिक कामकाज और रोजगार पर पड़ा है। वह रोजाना साइकिल से दूध बेचने कंटगी जाते थे, लेकिन अब सड़क पर साइकिल चलाना मुश्किल हो गया है। कीचड़ में साइकिल फंस जाती है, जिससे उनका दूध का व्यवसाय पूरी तरह ठप्प हो गया है।

वाहन मालिकों को भी नहीं मिला भुगतान: इस मामले में एक और नया मोड़ सामने आया है। सड़क निर्माण में लगे वाहन मालिकों ने भी भुगतान नहीं मिलने की शिकायत की है। वाहन मालिकों का कहना है कि उनसे मुरम और गिट्टी ढुलाई का काम कराया गया, लेकिन महीनों बीत जाने के बाद भी उनका भुगतान नहीं किया गया। ग्रामीणों ने जिला पंचायत सीईओ, जनपद पंचायत सीईओ और कलेक्टर बालाघाट से इस सड़क की जांच कराकर दोषी ठेकेदार और जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई करने तथा सड़क का पुर्ननिर्माण कराने की मांग की है। ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो वे जनपद पंचायत का घेराव करेंगे।